**गुणवत्ता में गिरावट आने के कारण कपास के निर्यात में कमी**

425. **श्री रणजीत सिंह :**
**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व बाजार में भारतीय कपास की मांग में कमी आई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि कपास की गुणवत्ता गिरावट आने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में यह कमी महसूस की जा रही है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और देश में उन्नत किस्म की कपास के उत्पादन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोट)** : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) सरकार देश में कपास के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से कपास की खेती करने वाले 11 राज्यों में एक गहन कपास विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रही है । सरकार को देश में कपास के लिए गिनिंग और प्रैसिंग उद्योग के आधुनिकीकरण की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी है । सरकार ने निर्यात के उद्देश्य से कपास की गांठों की पैकिंग के लिए भी विनिर्देशन भी निर्धारित किए हैं । भारतीय कपास निगम कपास की क्वालिटी को बनाए रखने के उद्देश्य से कपास की विभिन्न किस्मों के प्रमाणित बीजों के उत्पादन और वितरण में भी सहायता प्रदान कर रहा है ।

**Setting up of High Powered Committee to Study Developments in Jute Sector**

426. SHRI RAMDAS AGARWAL : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether Government have decided to set up a high powered committee to study the current developments in the Jute Sector as reported in a news item published in the 'Financial Express of June 30, 1992 captioned "Top Panel to help revive jute industry".

(b) whether Government are also aware of the need for modernisation and diversification of the jute industry whose reports have recently been reduced due to loss of the erstwhile Soviet Market and decline in domestic off-take due to strike ; and

(c) if so, by when the report of the committee is expected to be received and whether the export target for jute for 1992-93 fixed at Rs. 500 crores would be achieved within this period ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT) : (a) to (c) Government has set up a High Powered Committee under the Chairmanship of Secretary (Textiles) to study the current developments in the jute sector and recommend strategies and policy measures for achieving the twin objectives of modernisation coupled with diversification and export orientation. The Committee has been asked to submit its report by 30th September, 1992. All efforts are being made to achieve the target of exports of Rs. 500 crores worth of jute during 1992-93.

**मध्य प्रदेश में कताई मिलें**

427. **श्री अजीत जोगी :**
**श्री राजूभाई ए० परमार :**

क्या **वस्त्र मंत्री** 30 मार्च, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 4435 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य प्रदेश में अब तक स्थापित की गई कताई मिलों का जिला-वार ब्यौरा क्या है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत)**

वस्त्र अयुक्त, बम्बई द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार दिनांक 30-3-1992 के अतारांकित प्रश्न सं० 4435 के उत्तर में निर्दिष्ट 59-59 (उनसठ) मिलों की सूची में से मध्य प्रदेश में अभी तक (7) कताई एककों की स्थापना यार्न का उत्पादन करने के लिए की गई हैं। इनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

| क्रम संख्या | एकक का नाम | जिला |
|---|---|---|
| 1 | हिन्द सिन्टैक्स लि० | देवास |
| 2 | इण्डो-रामा एक्सपोर्टस् | धार |
| 3 | सत्तल वूलन (प्रा०) लि० | धार |
| 4 | अशोक वूलन मिल्स | इंदौर |
| 5 | डी एम वूलन मिल्स (प्रा०) लि० | इंदौर |
| 6 | दीपक वूलन मिल्स | देवास |
| 7 | वूलवर्थ (इंडिया) लि० | रायपुर |

(शत प्रतिशत निर्यातोन्मुख एकक योजना के अन्तर्गत)

**जूट का निर्यात आयात**

428. **श्री अजीत जोगी :**

**श्री राजूभाई ए० परमार :**

क्या **वस्त्र मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1988–89, 1989–90, 1990–91 के दौरान और जनवरी, 1992 तक कितनी मात्रा में जूट का निर्यात और आयात किया गया था ; और

(ख) तत्संबंधी आय और व्यय का ब्यौरा क्या है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत)** : (क) और (ख) भारतीय पटसन निगम द्वारा वर्ष 1988–89, 1989–90, 1990–91 और 1991–92 (जनवरी 1922 तक) के दौरान आयात एवं निर्यात किये गये पटसन की मात्रा और उस पर हुए व्यय और आय के ब्यौरे नीचे दिये गये हैं : —

मात्रा : हजार गांठों में
प्रति गांठ 180 कि० ग्रा०
मूल्य रु० 1 लाख

| वर्ष | आयात | निर्यात | व्यय | निवल लाभ |
|---|---|---|---|---|
| 1988–89 | – | 21.55 | 256.70 | 1.64 |
| 1989–90 | – | 28.11 | 374.86 | 1.80 |
| 1990–91 | – | 56.35 | 986.53 | 11.49 |
| 1991–92 (जनवरी, 92तक) | – | – | – | – |